

9093
12/3/17

न्यायालय भूमि सुधार उप-समाहर्ता सदर, दरभंगा

आदेश पत्रक

(देखें अभिलेख हस्तक, 1941 का नियम-129)

बिहार भूमि विवाद निराकरण अधिनियम 2009 के तहत
संदर्भित वाद संख्या- 579 / 2013-14

नाम श्रीगोन्द्र शाहव बनाम श्रीगो शाहव वगैरह

आदेश की क्रम संख्या और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कार्रवाई के बारे में टिप्पणी, तारीख-सहित																
17/12/13	<p>श्री श्रीगोन्द्र शाहव ग्राम फरहाहा थाना- बहैड़ा जिला- दरभंगा के द्वारा अपने अधिवक्ता के माध्यम से श्री श्रीगो शाहव ग्राम- फरहाहा थाना- बहैड़ा जिला- दरभंगा के विरुद्ध बिहार भूमि विवाद निराकरण अधिनियम 2009 के तहत वाद-पत्र दाखिल किया गया है, जिसमें विवाद के अन्तर्गत निम्न ब्योरे की भूमि है:-</p> <table border="0" style="width: 100%;"> <tr> <td>मौजा</td> <td>खाता</td> <td>खेसरा</td> <td>रकवा</td> </tr> <tr> <td>मुस्तफापुर्</td> <td>82</td> <td>03 पुठ 04 नया</td> <td>39 डी०</td> </tr> <tr> <td></td> <td>82 पुठ 13 नया</td> <td>03 पुठ 04 नया</td> <td>20 डी० दक्षिण</td> </tr> <tr> <td></td> <td>82 पुठ 134 नया</td> <td>03 पुठ 03 नया</td> <td>19 1/2 डी० उत्तर</td> </tr> </table> <p>आवेदक के वाद-पत्र में वर्णित तथ्यों तथा विज्ञ अधिवक्ता को सुनने के पश्चात् वाद-पत्र को प्रतिग्रहित किया जाता है।</p> <p>पक्षकार को सूचना निर्गत करें, कि वे निर्धारित तिथि को न्यायालय में उपस्थित होकर अपना उचित पक्ष प्रस्तुत करें।</p> <p>अभिलेख दिनांक 02/01/14 को रखें।</p> <p>लेखापित एव शुद्धित</p> <p>17/12/13</p> <p>भू० सु० उप समाहर्ता सदर, दरभंगा।</p>	मौजा	खाता	खेसरा	रकवा	मुस्तफापुर्	82	03 पुठ 04 नया	39 डी०		82 पुठ 13 नया	03 पुठ 04 नया	20 डी० दक्षिण		82 पुठ 134 नया	03 पुठ 03 नया	19 1/2 डी० उत्तर	16/01/14
मौजा	खाता	खेसरा	रकवा															
मुस्तफापुर्	82	03 पुठ 04 नया	39 डी०															
	82 पुठ 13 नया	03 पुठ 04 नया	20 डी० दक्षिण															
	82 पुठ 134 नया	03 पुठ 03 नया	19 1/2 डी० उत्तर															

भूमि सुधार उप समाहर्ता
सदर, दरभंगा।

2. 1. 14 - वादी रिपट - / - अ३०


द. नं. सि० नं. 16. 1. 14 की 229 /

२. २. ३४ (म)

16. 1. 14.

अभ्यर्थक द्वारा वाद पत्र में सुलहनामा कारिना दिया गया है।
अभ्यर्थक के विरुद्ध अधिवक्ता का कर्ना है कि अभ्यर्थक के
वैय सुलहनामा ही प्रक है इसलिए इस वाद को कर्टवर्ड
की समाप्त कर दिया जाय।

अभ्यर्थक के विरुद्ध अधिवक्ता के अउय पत्र
द्वारा सुलहनामा के माया-या इस वाद की कर्टवर्ड की
समाप्त किया जाना है।


16/01/14
श्री सुष्मर उपा. महाराज
सहा. सचिव)